



सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट
भाग-4, खण्ड (ख)
(परिनियत आदेश)

लखनऊ, सोमवार, 30 मई, 2022
ज्येष्ठ 9, 1944 शक सम्वत्

उत्तर प्रदेश शासन
गृह (पुलिस) अनुभाग-9

संख्या यू०ओ०-30/छ:-पु०-9-22-332जी-91टी०सी०-न्याय-2
लखनऊ, 30 मई, 2022

अधिसूचना

प०आ०-118

साधारण खण्ड अधिनियम, 1897 (अधिनियम संख्या 10 सन् 1897) की धारा 21 के साथ पठित भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (अधिनियम संख्या 49 सन् 1988) जिसे आगे "उक्त अधिनियम" कहा गया है, में निर्दिष्ट धारा 3 की उपधारा (1) और धारा 4 की उपधारा (2) एवं (3) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके राज्यपाल, नीचे अनुसूची के स्तम्भ-3 में उल्लिखित अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा अपना कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से, उक्त अधिनियम सन् 1988 की धारा 3 की उपधारा (1) में यथा विनिर्दिष्ट ऐसे अपराधों, जिनमें एतदपश्चात् उनके न्यायालयों में आरोप-पत्र दाखिल किये गये हों, के विचारण के लिये उक्त अनुसूची के स्तम्भ-5 में उल्लिखित क्षेत्रों के लिए पीठासीन अधिकारी/विशेष न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करती हैं और यह निदेश देती हैं कि उक्त क्षेत्रों के भीतर उद्भूत होने वाले ऐसे अन्य मामलों, जिनमें उक्त अधिनियम के अधीन नियुक्त किसी अन्य विशेष न्यायाधीश के समक्ष आरोप-पत्र पहले से ही दाखिल किये गये हों, का भी विचारण और निस्तारण, संबंधित अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा किया जायेगा और उनके न्यायालय, उक्त अनुसूची के स्तम्भ-4 में यथा विनिर्दिष्ट रूप में अभिहित किये जायेंगे।

राज्यपाल अग्रतर नीचे अनुसूची के स्तम्भ-3 में यथा उल्लिखित विशेष न्यायालय, भ्रष्टाचार निवारण, मेरठ में कार्यरत अधिकारी को, समस्त और साथ ही साथ ऐसे मामलों, जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ-5 में यथा उल्लिखित अधिकारिता क्षेत्र के लिए भविष्य में दायर किये जा सकते हैं, का निस्तारण करने के लिये तत्काल प्रभाव से सशक्त करती हैं; और भविष्य में, उक्त विशेष न्यायालय के पदधारी द्वारा प्रभार का त्याग किये जाने पर पद में उनके उत्तरवर्ती समस्त और साथ ही साथ ऐसे मामलों जो, उक्त अनुसूची के स्तम्भ-5 में यथा उल्लिखित अधिकारिता क्षेत्र के लिए भविष्य में दायर किये जा सकते हैं, का विचारण और निस्तारण करेंगे।

अनुसूची

क्रम संख्या	जिला का नाम	नव सृजित विशेष न्यायालय में विशेष न्यायाधीश के रूप में उनकी नियुक्ति हेतु संस्तुत किये गये न्यायिक अधिकारी का नाम	नव सृजित विशेष न्यायालय का नाम	अधिकारिता क्षेत्र (न्यायालयवार)
1	2	3	4	5
1	मेरठ	श्री रमेश, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश	विशेष न्यायालय संख्या-1 (भ्रष्टाचार निवारण), मेरठ	जिला मेरठ, आगरा, बुलन्दशहर, सहारनपुर, एटा, बागपत, मथुरा और मैनपुरी

आज्ञा से,
अवनीश कुमार अवस्थी,
अपर मुख्य सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification no. U.O.-30/VI-P.-9-22-332G-91 T.C.-Nyay-2, dated May 30, 2022:

No. U.O.- 30/VI-P.-9-22-332G-91 T.C.-Nyay-2

Dated Lucknow, May 30, 2022

IN exercise of the powers under sub-section (1) of section 3 and sub-sections (2) and (3) of section 4 of the Prevention of Corruption Act, 1988 (Act no. 49 of 1988), hereinafter referred to as the "said Act", read with section 21 of the General Clauses Act, 1897 (Act no. 10 of 1897), the Governor is pleased to appoint from the date of his taking over charge, the Additional District and Sessions Judge mentioned in Column-3 of the Schedule below as Presiding Officer/Special Judge for the areas mentioned in Column-5 of the said Schedule for trial of such offences as specified in sub-section (1) of section 3 of the said Act of 1988 in which charge sheets are filed hereafter in his Court, and to direct that such other cases arising within the said areas in which charge sheets have already been filed before any other Special Judge appointed under the said Act shall also be tried and disposed of by the Additional District and Sessions Judge concerned and the court thereof shall be designated as specified in Column-4 of the said Schedule.

The Governor is further pleased to empower the officer as mentioned in Column-3 of the Schedule below holding the Special Court of Prevention of Corruption, Meerut for disposing of all, as well as cases which may be filed in future for the area of jurisdiction as mentioned in Column-5 of the said Schedule with immediate effect; and in future, upon relinquishing the charge by the incumbent of the said Special Court, his successor in office will try and dispose all, as well as cases which may be filed in future for the area of jurisdiction as mentioned in Column-5 of the said Schedule.

SCHEDULE

Sl. no.	Name of district	Name of Judicial Officer recommended for his appointment as Special Judge in the newly created Special Court	Name of the newly created Special Court	Area of jurisdiction (Court-wise)
1	2	3	4	5
1	Meerut	Sri Ramesh, Additional District and Sessions Judge	Special Court no. 1 (Prevention of Corruption), Meerut	District Meerut, Agra, Bulandshahar, Saharanpur, Etah, Baghpat, Mathura and Mainpuri

By order,
AWANISH KUMAR AWASTHI,
Apar Mukhya Sachiv.

पी0एस0यू0पी0-ए0पी0 83 राजपत्र-2022-(198)-599+50=649 प्रतियां (कम्प्यूटर/टी0/ऑफसेट)।